त्रिकाल दृष्टि

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

रजि. नं.- MPHIN - 31958

सच का दर्पण

अंक-2, प्रवेशांक | भोपाल, 16 से 30 नवम्बर 2015 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2 रूपये | www.trikaldrishti.com

कैलाश विजयवर्गीय के निशाने पर आमिर

कहा जिनका विदेशों में काला धन, वही कर रहे हैं ऐसी बात

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के हालिया बयान पर निशाना साधते हुए कहा है कि जिनका विदेशों में काला धन जमा है, वो ही लोग असहिष्णुता के नाम पर देश छोड़ने की बात कर रहे हैं। विजयवर्गीय ने आज किसी का भी नाम न लेते हुए फेसबुक पर एक पोस्ट जारी करके कहा है कि शायद, केंद्र सरकार काले धन के खिलाफ जिस तेजी से कार्यवाही कर रही है, उससे काला धन रखने वालों में हड़कंप है। यही कारण है कि जिन लोगों ने विदेशों में काला धन जमा कर रखा है, वही लोग %असहिष्णुता के नाम पर% देश छोड़ कर विदेश में रहने की बात करने लगे हैं।

कल आमिर खान ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा था कि वह भी असुरक्षा महसूस करते हैं और पिछले छह से आठ महीने से ये डर बढ़ गया है। उन्होंने कहा था कि जब उन्होंने अपनी पत्नी किरण से इस बारे में बात की तो उसने पूछा कि क्या हमें भारत छोड़ देना चाहिये। वह अपने बच्चे के लिये डरती है। वह इस बात से डरती है कि हमारे चारों तरफ किस प्रकार का माहौल बनेगा। वह हर दिन अखबार खोलने से डरती है।

इसके पहले विजयवर्गीय ने शाहरुख खान के बयान पर भी निशाना साधते हुए कहा था कि आखिर क्यों शाहरुख जैसे कुछ तथाकथित ठेकेदारों को असहिष्णुता का एहसास मुंबई बम ब्लास्ट, भारतीय संसद पर हमले, बेंगलोर बम ब्लास्ट और 26-11 इत्यादि के समय नहीं हुआ... आखिर क्यों??? हालांकि इस पर उठे विवाद के बाद उन्होंने अगले ही दिन अपने विवादित ट्वीट वापस भी ले लिए थे। दो नवंबर को शाहरुख ने अपने जन्मदिन के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि देश में असहिष्णुता बढ रही है और लोग बिना सोचे-समझे कुछ भी बोल रहे हैं।

ट्विटर पर घिरे आमिर - बढ़ती असहिष्णुता के बारे में सुपरस्टार आमिर खान की टिप्पणियों को लेकर टिवटर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आयी है और फिल्म जगत में उनके सहयोगी अनुपम खेर और राम गोपाल वर्मा ने उन्हें घेरते हुये पूछा है कि आपके लिए अतुल्य भारत कब असहिष्णु भारत बन गया। दिल, दिल है कि मानता नहीं सहित अन्य फिल्मों में आमिर के साथ काम कर चुके अनुपम खेर ने उन पर हमला बोलते हुये कहा है, भारत ने उन्हें वह बनाया, जो वह हैं। उन्होंने ट्विटर पर लिखा है, प्रिय आमिर खान। क्या आपने किरण से पूछा कि वह कौन से देश जाना पसंद करेंगी, क्या आपने उन्हें बताया कि इसी देश ने आपको आमिर खान बनाया। क्या आपने किरण को बताया कि आप बुरे दौर में इस देश में रहे हैं लेकिन आपने कभी बाहर जाने के बारे में नहीं सोचा।

मिल गए वो दस्तावेज जिनके सहारे इंद्राणी हो रही थी ब्लैकमेल !

शीना बोरा अपनी मां इंद्राणी मुखर्जी को कथित तौर पर ब्लैकमेल करती थी. इसके लिए वह कुछ दस्तावेजों का इस्तेमाल करती थी. आज तक के हाथ तीन ऐसे अहम दस्तावेजों की कॉपी लगी हैं, जिनका इस्तेमाल इंद्राणी मुखर्जी को ब्लैकमेल करने के लिए किया गया था.

शीना बोरा का जन्मप्रमाण पत्र

आज तक के हाथ लगे दस्तावेजों में शीना बोरा का जन्मप्रमाण पत्र भी शामिल है. जिसके मुताबिक शीना का जन्म 11 फरवरी 1989 को गुवाहटी में हुआ था. उसके जन्मप्रमाण पत्र में पिता का नाम सिद्धार्थ दास और मां का नाम इंद्राणी बोरा लिखा हुआ है. प्रमाण पत्र पर पंजीयन अधिकारी मुहर और हस्ताक्षर भी साफ तरीके से दिखाई दे रहे हैं.

शीना का स्कूली प्रमाण पत्र

इन दस्तावेजों में दूसरा है शीना बोरा का एक स्कूल का प्रमाण पत्र. जिस पर शीना, इंद्राणी और सिद्धार्थ दास की नाम के साथ साथ उनकी तस्वीरें भी लगी हुई हैं. यह प्रमाण पत्र डिज्नीलैंड स्कूल, खानापारा, गुवाहटी का बना हुआ है. यह प्रमाण पत्र तब बना था जब शीना कक्षा तीन में पढ़ती थी.

आय प्रमाण पत्र

इन दस्तावेजों में शीना की मां इद्राणी और पिता सिद्धार्थ दास का आय प्रमाण पत्र भी शामिल है. जिसके मुताबिक सन 2003 में शीना की मासिक आय 15000 रुपये थी. जबकि शीना के पिता सिद्धार्थ दास की आय उस वक्त मात्र 5000 रुपये थी.

आजमगढ़ के चार आतंकी लड़ रहे आईएसआईएस के साथ

दुनिया के सबसे बर्बर आतंकी संगठन आईएसआईएस के लिए लड़ने वालों में उत्तर प्रदेश के पांच आतंकियों के होने की आशंका जताई जा रही है। खुफिया एजेंसियों का दावा है कि बटला हाऊस कांड में देश से फरार चल रहे आजमगढ़ के चार इनामी आतंकी- डॉक्टा शहनवा?, खालिद, अबू राशिद और मिर्जा दिलशाद बेग सीरिया में आईएसआईएस के लिए लड़ने वालों में शामिल हैं। इस गुट के आखिरी बार यमन में होने की पुष्टि हुई थी। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने दावा किया है कि सीरिया में आईएसआईएस के लिए लड़ते हुए भारत के छह आतंकी अब तक ढेर हो चुके हैं। इसमें एक साजिद बड़ा आजमगढ़ के संजरपुर का रहने वाला था। इस संबंध में हिन्दुस्तान ने 4 जुलाई को खबर प्रकाशित की थी। दरअसल, आईएसआईएस की हरकतों की जानकारी देने वाले ट्विटर खाते ने इसकी जानकारी दी थी लेकिन यूपी पुलिस और एटीएस इस पर कुछ भी पुख्ता तौर पर नहीं कह रहे हैं।

अन्ना हजारे बोले- अच्छा हुआ केजरीवाल साथ नहीं

नई दिल्ली। बिहार में नीतीश कुमार सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव से गले मिलने पर उठा विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। इस मामले को लेकर अभी तक केजरीवाल सिर्फ विपक्षी पार्टियों के निशाने पर थे लेकिन अब समाजसेवी अन्ना हजारे ने भी इस पर प्रहार किया है। उन्होंने केजरीवाल के लालू से गले मिलने को गलत बताया। अन्ना से जब लालू-केजरीवाल के गले मिलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि केजरीवाल का लालू के गले लगना ठीक नहीं है। अच्छा हुआ कि मैं अब अरविंद केजरीवाल के साथ नहीं हूं वरना मेरा नाम भी इस मामले में खींचा जाता और मुझे भी दाग लग जाता। इससे पहले बीजेपी ने इस मुलाकात को मुद्दा बनाते हुए दिल्ली में जगह-जगह इसके पोस्टर चिपकाकर केजरीवाल पर हमला बोला था। मामले को बढ़ता देख केजरीवाल ने सोमवार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में इस पर सफाई दी और कहा कि लालू यादव ने मंच पर उन्हें जबरन गले लगा लिया।

वैष्णो देवी जा रहा हेलीकॉप्टर कटरा में क्रैश

जम्मू। जम्मू के कटरा में एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। इस हादसे में पायलट समेत 7 की मौत हो गई है। यह हेलीकॉप्टर वैष्णो देवी श्रद्धालुओं को लेकर जा रहा था। खबरों के मुताबिक, यह हेलीकॉप्टर हवा में ही आग के गोले में तब्दील हो गया था। यह हेलीकॉप्टर महिला पायलट सुनीता विजयन उड़ा रही थीं। हादसे की वजह से कटरा से सांझी छत के लिए हेलीकॉप्टर सेवा रोक दी गई है।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, यह हेलीकॉप्टर कटरा से सांझी छत जा रहा था। यह हेलीकॉप्टर निजी कंपनी हिमालयन हेली सर्विस का था। यह कंपनी चार धाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा मुहैया कराती है।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, इस दुर्घटना का कारण खराब मौसम हो सकता है। हादसे की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि वैष्णो देवी में हजारों श्रद्धालु रोज दर्शन के लिए जाते हैं। यह भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। पिछले नवरात्रि में एक लाख से अधिक लोग यहां दर्शन के लिए पहुंचे थे।

पहले भी हुए हैं ऐसे हादसे

30 जनवरी 2001 को सेना का चेतक हेलीकॉप्टर सांझी छत में क्रैश हुआ था।

30 दिसंबर 2012 को कटरा में हुए पवनहंस हेलीकॉप्टर क्रैश में ब्रिगेडियर रमन सहगल, दो पैरा कमांडो, एक पायलट और को पायलट समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी।

1988 जुलाई में भी सांझी छत में एक हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ था, जिसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई थी

अगर आप हैं सरकारी कर्मचारी, तो आपके लिए ही है ये खबर

सातवें वेतन आयोग के लागू होने के बाद जहां सरकारी कर्मचारियों के अच्छे दिन आने वाले हैं, वहीं अपने काम में लापरवाही बरतने वालों के बुरे दिन भी आने वाले हैं। दरअसल आयोग ने कहा है कि कामकाज के प्रदर्शन की कसौटी पर जो कर्मचारी खरा नहीं उतरता है, उसकी सालाना वेतनवृद्धि रोक दी जानी चाहिए। इतना ही नहीं आयोग ने प्रदर्शन मानदंड को बेहतर से अत्यंत बेहतर करने को कहा है। आयोग ने सभी श्रेणियों के केंद्रीय कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन संबंधित वेतन (पीआरपी) लागू करने की भी सिफारिश की है। देश भर में करीब 47 लाख केंद्रीय कर्मचारी हैं। आयोग ने केंद्र सरकार की सभी कैटेगरी के कर्मचारियों के लिए परफॉर्मेंस रिलेटेड पे (पीआरपी) लागू करने का सुझाव दिया। यह आम धारणा है कि वेतन में वृद्धि और हायरार्की में आगे बढ़ना सामान्य प्रक्रिया है। आयोग ने कहा कि हालांकि, सबको पता है कि अशुर्ड मॉडिफाइड करियर प्रग्रेशन एमएसीपी परफॉर्मेंस प्राप्ति का विषय है।

राम मंदिर निर्माण का संकल्प पूरा होगा: मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि राम मंदिर के निर्माण का संकल्प पूरा होगा। भागवत विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता रहे अशोक सिंघल के लिए आयोजित एक शोक सभा में बोल रहे थे। भागवत ने कहा कि अशोक सिंघल के सपने को पूरा करने के लिए गंभीर प्रयास करना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता रहे अशोक सिंघल के लिए आयोजित एक शोक सभा के दौरान रविवार को संघ परिवार ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मुद्दा उठाया।

पीएम विदेश यात्रा में व्यस्त, कांग्रेस खड़ी है किसानों के साथ: राहुल

सहारनपुर। राहुल गांधी ने विदेश दौरों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिर से निशाने पर लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री तो विदेश यात्राएं करने में व्यस्त हैं लेकिन कांग्रेस किसानों और मजदूरों के साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों की दुर्दशा का मुद्दा उठाने के लिए पदयात्रा भी शुरू की। मोदी के अच्छे दिन के नारे पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस उपाध्यक्ष ने कहा कि अच्छे दिनों के उन वादों का क्या हुआ उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए अच्छे दिन उस दिन आएंगे जब किसान, मजदूर और गरीब अच्छा महसूस करेंगे। पदयात्रा शुरू करने से पूर्व उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा, जब नरेन्द्र मोदी इंग्लैंड की उड़ान भर रहे हैं तो राहुल गांधी आपके खेतों में आप लोगों के बीच खड़ा है। मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि हम आपके साथ हैं। कांग्रेस आपके साथ खड़ी है और मर जाएगी और आपके साथ ही खड़ी रहेगी। मोदी के खिलाफ अपने नफरत भरे भाषण को लेकर पिछले साल मार्च में जेल जाने वाले विवादास्पद कांग्रेस विधायक इमरान मसूद के साथ खड़े दिखे राहुल ने कहा, %हम ऐसा भारत नहीं चाहते जहां गरीब, किसान और दबे कुचले लोग नाखुश हों।

राजनीति | **केजरीवाल ने दी सफाई**

हाथ खींचकर लालू जी ने गले लगा लिया, गठबंधन नहीं किया

पटना। लालू प्रसाद यादव से गले मिलने के चलते सोशल मीडिया में आलोचना झेल रहे दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सफाई दी है. दिल्ली में आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में केजरीवाल ने कहा कि लालू ने उनका हाथ पकड़कर खींच लिया और गले लगा लिया. केजरीवाल ने कहा , नीतीश जी ने अच्छा काम किया था, जिसके चलते जनता ने उन्हें फिर चुना. हमने बीजेपी के खिलाफ काम किया और नीतीश का समर्थन किया. शपथ ग्रहण समारोह में लालू जी मिले को उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और खींचकर गले लगा लिया, फिर जनता की ओर रुख करके हाथ ऊपर उठा दिया. मुझे प्रोजेक्ट किया जा रहा है. जो कि बिल्कुल गलत है.

बाकी नेताओं पर कोई सवाल क्यों नहीं

दिल्ली के सीएम ने कहा कि हमने किसी भी तरह का गठबंधन नहीं किया है. हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे हैं और हमेशा लड़ेंगे. हम वंशवाद की राजनीति के खिलाफ हैं. उन्होंने कहा- लालू प्रसाद के दो बेटे मंत्री बने हैं हम इसका भी विरोध करते हैं. लोग सवाल पूछ रहे हैं, मुझे इस बात की खुशी है. लेकिन सवाल इसलिए पूछे जा रहे हैं क्योंकि हम बदलाव की राजनीति कर रहे हैं और अलग तरह सोचते हैं. उन्होंने कहा कि जब दूसरे नेता लालू प्रसाद से गले मिलते हैं तो कोई सवाल क्यों नहीं उठाता.

डेडलाइन से पूरा हुआ काम तो बचे 100 करोड़

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि चार पहले उनमें से किसी ने भी नहीं सोचा था कि वे कभी चुनाव लड़ेंगे. लेकिन यह किसी चमत्कार से कम नहीं है. शुरुआत में हमारे दो लक्ष्य थे- भ्रष्टाचार मिटाने के लिए जनलोकपाल और स्वराज . इसका सबसे बेहतर उदाहरण है कि किसी सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोप में अपने मंत्री को बर्खास्त नहीं किया।

संविदा शिक्षकों की भर्ती मार्च से पहले होंगी

भोपाल। मप्र में संविदा शाला शिक्षक भर्ती परीक्षा का इंतजार कर रहे लाखों अभ्यर्थियों के लिए गुडन्यूज कही जा सकती है। स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री का कहना है कि मार्च से पहले भर्ती परीक्षा आयोजित करवा दी जाएगी, हालांकि व्यापमं ने अभी तक तारीख घोषित नहीं की है जबकि जुलाई 2016 तक होने वाली परीक्षाओं की सूची जारी कर दी गई है।

व्यापमं की ओर से परीक्षाओं की लिस्ट जारी होते ही संविदा शिक्षक परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में रोष देखा जा रहा था। युवा निराश हैं और सरकार से नाराज भी। यदि कोई संगठन होता तो अब तक चक्का जाम हो चुका होता, क्योंकि व्यापमं ने अपनी तमाम परीक्षाओं की लिस्ट जारी कर दी परंतु संविदा शिक्षक भर्ती परीक्षा का जिक्र तक नहीं किया। व्यापमं का कहना है कि स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से आदेश नहीं आया। विशेषज्ञों का कहना है यहां फंसा पेच संविदा शाला शिक्षक वर्ग1,2 और 3 की भर्ती परीक्षाएं ऑनलाइन ली जानी है।

लगभग 39 हजार खाली पदों के लिए लाखों बेरोजगार होंगे शामिल।

स्कूलों में शिक्षकों का पूरा नहीं हो पाया युक्तियुक्त करण, शिक्षा विभाग की तैयारियां अधूरी। पहली बार इतनी बड़ी परीक्षा ऑनलाइन कराने में गड़बड़ी की अशांका।

मार्च के पहले भर्ती होगी

जो कमियां रह गई थी उसे जल्द दूर कर व्यापमं को जरूरी जानकारियां दी जा रही है। मार्च के पहले संविदा शाला शिक्षकों की भर्ती कर ली जाएगी।

दीपक जोशी, स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री

मप्र केबिनेट मीटिंग 23 नवम्बर 2015 का ऐजेंडा

भोपाल। सोमवार को होने जा रही केबिनेट की मीटिंग का सबको इंतजार है। कई वर्ग ऐसे हैं जो इसमें अपने मुद्दों को तलाश रहे हैं। सूत्र बता रहे हैं कि नीचे दिए गए विषयों पर चर्चा हो सकती है=

मकान, दुकान का 11 माह के किराए अनुबंध करने पर 0.01 प्रतिशत स्टांप शुल्क लगेगा।

10 वर्ष से अधिक के अनुबंधन पर अधिकतम पांच प्रतिशत तक स्टांप शुल्क लगेगा।

खनिज प्रिमियम और रायल्टी पर 0.75 प्रतिशत कर का प्रस्ताव है।

प्रोफेशनल टैक्स का दायरा ब ?ाने का प्रस्ताव भी आ सकता है।

सागर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री लेने वाले डॉक्टरों को प्रदेश में नौकरी करने के लिए मप्र मेडिकल काउंसिल अनुमति का मामला आएगा।

राज्य अयुर्विज्ञान परिषद के प्रावधानों को मंजूरी दी जा सकती है।

अटल आश्रय योजना में ईडब्ल्यूएस-एलआईजी के आवास के लिए रियायती दर पर सरकारी जमीन देने के लिए मंत्रिपरिषद समिति का गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी जाएगी।

होम्योपैथी कॉलेज में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रांरभ करने के लिए नए पदों को मंजूरी दी जा सकती है।

श्यामशाह मेडिकल कॉलेज रीवा के नाम, कान एवं गला विभाग में नए पदों का सृजन।

कृत्रिम अंग निर्माण के लिए आधुनिक प्लांट की स्थापना एवं विकलांग कार्य से जुड़े अन्य कार्य के डिपार्टमेंट ऑफ डिसबिलिटी अफेयर्स केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्रालय को मानपुरा उज्जैन में जमीन का आवंटन।

रूपंकर एवं ललित कलाओं के 10 पुरस्कार के लिए कलाकृति 31 दिसम्बर तक आमंत्रित

भोपाल। उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी ने प्रदेश के ख्यातिलब्ध कलाकारों के नाम से स्थापित रूपंकर एवं ललित कलाओं के दस पुरस्कार के लिए कलाकारों से कलाकृतियाँ बुलाई हैं। प्रत्येक पुरस्कार की राशि 21 हजार रुपये होगी। कलाकारों से मौलिक कलाकृति जो वर्ष 2013 के बाद सृजित हो बुलायी गयी है। एक कलाकार अधिकतम दो कलाकृति राज्य रूपंकर कला पुरस्कार प्रदर्शनी 2016 में प्रदर्शित कर सकेंगे। इसके लिए 25 से 50 वर्ष तक के आयु के कलाकार प्रतिभागी होंगे। कलाकृतियों के साथ प्रदर्शनी में प्रवेश के रूप में रुपये 200 नगद जमा करना होंगे। प्रदर्शनी की विवरणिका भोपाल के शासकीय महाविद्यालयों के ललित कला संकाय, प्रदेश के सभी शासकीय कला संकाय, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी भोपाल, कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन, तानसेन कला वीथिका ग्वालियर, भारत भवन भोपाल एवं राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में निःशुल्क उपलब्ध हैं। कलाकृति उस्ताद अलाउद्दीन संगीत एवं संगीत कला अकादमी भोपाल में 1 से 31 दिसम्बर तक कार्यालयीन समय में स्वीकार की जा सकेंगी।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी अवलोकन शिविर दिसम्बर-जनवरी में

भोपाल। वन विहार में आगामी दिसम्बर एवं जनवरी में बर्ड वाचिंग एवं नेचर केम्प लगेंगे। केम्प भदभदा की ओर वन विहार के गेट क्रमांक 2 पर स्थित विहार वीथिका में लगेंगे। शिविर में 30 व्यक्तियों को प्रथम आवें, प्रथम पावें के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। पक्षी अवलोकन शिविर 6 एवं 20 दिसम्बर 2015 तथा 3 एवं 17 जनवरी 2016 को प्रातः 6.30 से 9.30 बजे तक होंगे।

पर्यावरण

पर्यावरण संरक्षण के लिये वनों को बचाना जरूरी

मुख्य वन संरक्षक सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री चौहान कहा

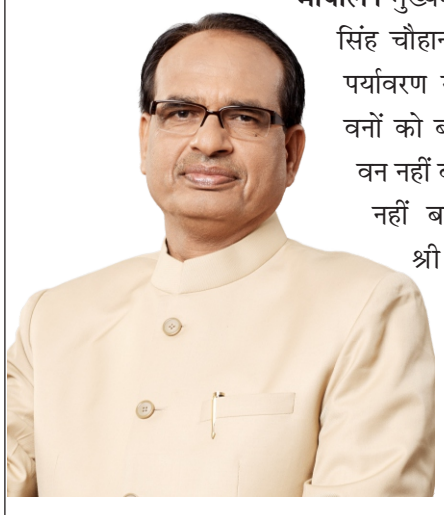

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण के लिये वनों को बचाना जरूरी है। वन नहीं बचे तो इन्सान भी नहीं बचेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज प्रशासन अकादमी में दो दिवसीय मुख्य वन संरक्षक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में वन मंत्री डॉ.गौरीशंकर शेजवार विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारत में पेड़-पौधों की पूजा की परंपरा रही है। पेड़ों की पूजा इस बात का प्रतीक है कि वनों के बिना जीवन अधूरा है। भारतीय संस्कृति कहती है कि प्रकृति का शोषण नहीं करें बल्कि दोहन करें। प्रदेश में वन क्षेत्र लगातार बढ़ा है इसके पीछे संयुक्त वन प्रबंधन समितियों द्वारा किया गया बेहतर कार्य है। वनों को बचाने के लिये वनों को वनवासियों के रोजगार से जोड़ना होगा। वनोपजों का समर्थन मूल्य घोषित कर इसी दिशा में प्रयास किया गया है। बाँस मिशन के जरिये भी रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण के साथ विकास कार्य नहीं रुके इस पर ध्यान दे। वनवासियों की कठिनाइयों को समझकर योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाये। वन विभाग स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर वन ग्रामों में स्वास्थ्य शिविर लगायें। वन प्रबंधन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाये।

वन मंत्री डॉ. शेजवार ने कहा कि वनवासियों का समग्र विकास संयुक्त वन प्रबंधन के माध्यम से किया जा रहा है। वन ग्रामों में स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के लिये वन रक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है। वनों के विकास एवं संरक्षण में क्षेत्रीय अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रमुख सचिव वन श्री दीपक खांडेकर ने कहा कि राज्य शासन की प्राथमिकता के अनुरूप विभाग पर्यावरण और वन संरक्षण का कार्य करेगा।

मप्र में इलाज, खाना, ब्यूटी पार्लर फिर हुआ महंगा, शिवराज ने टैक्स बढ़ाए

भोपाल। शिवराज सरकार लगातार टैक्स बढ़ाती जा रही है। एक बार फिर उसने प्रोफेशनल टैक्स बढ़ा दिया। जिससे इस दायरे में आने वाली सारी सेवाएं महंगी हो जाएंगी। राज्य सरकार द्वारा प्रोफेशनल टैक्स का दायरा बढ़ाने पर मेडिकल, रियल स्टेट एजेंट, ब्रोकल, वकील, होटल कारोबारी, वीडियो, लाइब्रेरी और पार्लर इसमें शामिल होंगे। अब 25 हजार की आबादी वाले कस्बे में कारोबार करने वालों के लिए अधिकतम ढाई हजार रुपए तक का टैक्स देना होगा। वाणिज्यक कर विभाग ने इस संबंध में कैबिनेट को प्रस्ताव भेजा था। राज्य सरकार प्रोफेशनल टैक्स बिल में बदलाव कर अब अर्नओवर के स्लैब को खत्म करने जा रही है। वहीं, लंबे समय बाद कैबिनेट ने गैर सरकारी शैक्षणिक संस्थाओं के कर्मचारी-शिक्षकों को 50 प्रतिशत एरियर की राशि देने पर भी फैसला लिया। कैबिनेट में सागर के मेडिकल कॉलेज के छात्रों को नौकरी करने के लिए मप्र मेडिकल काउसिंल की अनुमति देने भी निर्णय लिया गया। वहीं, रीवा के श्यामशाह मेजिकल कॉलेज में ईएनटी में नए पद समेत सड़क परिवहन निगम ग्वालियर के वर्कशाप की जमीन पर बीओटी योजना में सह-आवासीय काम्पलेक्स और लोक अभियोजन कार्यालय भोपाल और तहसील कार्यालय में नए पदों को मंजूरी दी गई.

सम्पादकीय

ग्रामीण युवा बदल रहे अपनी और अपने गाँव की तकदीर

प्रदेश के दूरदराज ग्रामीण अंचलों में सैकड़ों युवा हितग्राही प्रदेश की तकदीर बदल रहे हैं। ये उत्साही और संकल्पित युवक न केवल अपना खुद का रोजगार स्थापित करने आगे आ रहे हैं वरन अपने व्यवसाय से कुछ अन्य गरीब युवकों को भी रोजगार मुहैया करवाने का जज्बा उनके मन में है। ग्रामीण युवाओं को रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये ही मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण तथा मुख्यमंत्री स्व-रोजगार योजना शुरू की गई है। ग्रामीण युवाओं को छोटे-छोटे व्यवसाय स्थापित करने में मदद के मकसद से राज्य सरकार ने इन योजनाओं को शुरू किया है। इन प्रयासों से युवा उद्यमियों को सम्मान से जीवन बिताने का अवसर मिल रहा है। ग्रामीण अंचलों से गरीबी को दूर करने और ग्रामीण समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण में भी यह योजनाएँ कारगर होगी। प्रदेश में छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों का जाल बिछाकर ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था को सही मायनो में मजबूत बनाने के प्रयास हो रहे हैं। स्व-रोजगार के इच्छुक

ग्रामीण युवाओं को विभिन्न व्यवसाय का प्रशिक्षण देने के लिये आरसेटी के माध्यम से जिला-स्तर पर विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षित करने की व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण लेने वाले ग्रामीण युवाओं को बेंक से ऋण सहायता दिलाई जा रही है। मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे ग्रामीण परिवारों के 18 से 55 वर्ष आयु तक के युवा उद्यमियों को जरूरत के अनुसार 20 हजार रुपये तक की बेंक ऋण सहायता दी जा रही है।

आचरण

महात्मा गांधी की ''आचरण'' ने ही उन्हें महान बनाया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में सिर्फ भारतीयों को ही एकजुट नहीं किया, बल्कि दूसरे देशों के लोगों को भी न्याय, मानवधिकार और मानव गरिमा के लिए संघर्ष करने के लिए एकजुट किया। महात्मा गांधी का दक्षिण अफ्रीका से 9 जनवरी 1915 को भारत आगमन हमारे इतिहास की अहम घटना है। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपाई ने 9 जनवरी को प्रवासी दिवस का नाम दिया।

मुम्बई में 9 जनवरी 1915 को गांधीजी की भव्य स्वागत हुआ और बड़े पैमाने पर लागों का प्यार उन्हें मिला। उस समय ''बॉम्बे क्रॉनिकल'' के एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा... मैं सिर्फ यही उम्मीद कर सकता हूँ की भविष्य में अपने आचरण से हमें साबित करना होगा कि हम इस स्वागत के काबिल है। उन्होंने आचरण को सबसे अधिक महत्व दिया परंतु आज हम अपने आसपास देख रहे हैं कि हमारे नेताओं को (अधिकांश) आचरण शब्द का महत्व नहीं रह गया है। इसलिए रोज समाचार पत्र में उन लोगों के वक्तव्य पढ़ते रहते है। जिनमें उनका अधिकतर उद्देश्य एक दूसरे पर निंदनीय टिका टिप्पणी करना ही होता है जिसे करते समय वे तनिक भी विचार नहीं करते कि इसके कारण हमारे समाज का वातावरण दूषित होत जा रहा है। हम पर्यावरण-प्रदूषण पर विभिन्न वार्ताएं करते हैं कि कैसे पर्यावरण प्रदुषण दूर किया जाये, परंतु हमारे नेताओं द्वारा एक दूसरे पर निंदनीय टिका टिप्पणी करना जो कि गंभीर विषय बनता जा रहा है, यह एक तरह से सामाजिक प्रदुषण है। इस पर हमारे नेताओं को, समाज को व हम सभी को गंभीरता से एवं ईमानदारी से विचार कर अपने आचरण को बलदना चाहिए, जो कि अने वाली युवा पीढ़ी व समाज के उज्जव भविष्य के लिए नितांत आवश्यक है।

श्रीमती छाया इन्दूरकर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर मध्यप्रदेश में उठाये गये कदम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के विकास को नई दिशा और गति देने के लिये जो पहल की गयी हैं, उन पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तत्परता से अमल किया गया है। फिर चाहे वह जन-धन योजना पर अमल हो या अन्य बीमा योजनाओं का क्रियान्वयन। स्वच्छ भारत अभियान में हिस्सेदारी हो या मेक इन इंडिया की तर्ज पर मेक इन मध्यप्रदेश की पहल। स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मध्यप्रदेश द्वारा सबसे पहले रक्षा उत्पाद निवेश संवर्द्धन नीति बनाने की प्रशंसा की थी1 डिजिटल इंडिया के अनुक्रम में डिजिटल मध्यप्रदेश की अवधारणा को मूर्तरूप देने के लिये भोपाल और जबलपुर में इलेक्ट्रॉनिक मेन्युफेक्करिंग कलस्टर का शिलान्यास होकर काम शुरू हो गया है। ई-मेल पॉलिसी बन गई है और गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में आई.टी. का अधिकाधिक प्रयोग ब?या जा रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में भी प्रदेश पीछे नहीं है। इस क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। कुल मिलाकर मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री के हमकदम के रूप में देश के हमकदम है।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना - वित्तीय समावेशन के लिये लागू प्रधानमंत्री जन-धन योजना का लक्ष्य पूरा करने वाले प्रदेशों में मध्यप्रदेश अग्रणी है। अब प्रदेश में हर परिवार का बैंक में कम से कम एक खाता है। प्रदेश में शासकीय योजनाओं में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के काम को और आगे बढ़ाया जा रहा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मनरेगा की मजदूरी तथा अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं की राशि लाभान्वितों के खाते में पूर्व से ही सीधे जमा करवायी जा रही है। योजना में 49 लाख 47 हजार परिवार के कुल एक करोड़ 19 लाख 50 हजार खाते खोले गये। अब प्रदेश में कुल एक करो ? 53 लाख 86 हजार परिवार के पास बैंक खाते हो गये हैं।

बीमा योजनाएँ - इस वर्ष 9 मई से भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति और अटल पेंशन योजना लागू की गयी है। देश की बढ़ी आबादी को सामाजिक सुरक्षा देने वाली इन योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों को दिलवाने के लिये मध्यप्रदेश में अभियान चलाकर कार्य किया जा रहा है। अभियान की देख-रेख मंत्रि-परिषद के सदस्य कर रहे हैं। तीनों योजना में अभी तक एक करो ? 6 लाख 34 हजार व्यक्ति लाभान्वित हो चुके हैं।

स्वच्छ भारत अभियान - प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान को मध्यप्रदेश में पूरी गंभीरता से लिया गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की स्वच्छता के लिये अलग-अलग रणनीति बनायी गयी है। अक्टूबर, 2015 से पहले प्रदेश के सभी स्कूलों में शौचालय बनाने का लक्ष्य पूरा कर लिया जायेगा। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में जिन जोड़ों की शादी होती है, यदि उनके पास घर में शौचालय नहीं है, तो उन्हें शौचालय निर्माण के लिये अलग से 12 हजार रुपये देने की योजना शुरू की गयी है। यह पहल करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है।

मध्यप्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में समुदाय की भागीदारी से स्वच्छता सुविधाओं की उपलब्धता एवं उपयोग सुनिश्चित किये जाने का अभियान चलाया जा रहा है।

SAAP SOLUTIONS
Explore New Digital World

* All Types of Website Designing (Static Website, Dynamic Website, Ecommerce Site, Responsive/Adaptive Design, Customer focused design)
* Logo Designing by Experts
* Bulk SMS Services

For more details Visit our website saapsolution.com
For Enquires contact on 9425313619, Email-info@saapsolution.com

क्यों पिछड़ जाते हैं छोटे कस्बों से आए युवा?

छोटे शहरों के युवाओं के पास बाहर निकलकर बड़े शहरों में रोज़गार खोजने के अलावा कोई चारा नहीं होता, लेकिन यह राह आसान नहीं है क्योंकि उनका मुकाबला बेहतर शिक्षा और महानगरीय माहौल में तराशे गए युवाओं से होता है। विशेषज्ञों से बातचीत करके हमने गहराई से जानने की कोशिश की कस्बाई युवाओं की समस्याएं और समाधान क्या हैं?

*सीमित सोच से घटता दायरा- छोटे शहरों के युवा प्रतिस्पर्धा में खुद को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत तो करते हैं, लेकिन जानकारियों और दिलचस्पियों का उनका दायरा अपेक्षाकृत छोटा होता है। भारी प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्रों जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल और मैनेजमेंट के अलावा दूसरे क्षेत्रों में छोटे शहरों के नौजवानों का रुझान कम दिखता है। करियर के और क्या आप्शन हो सकते हैं, यह अक्सर उन्हें ठीक से पता नहीं होता।

* मार्गदर्शन की कमी - इस विषय में मुंबई में प्लेसमेंट कंसल्टेंसी चलाने वाले अभिषेक प्रधान कहते हैं, छोटे शहरों से आने वाले युवाओं में बड़ी संख्या में ऐसे युवा शामिल हैं, जिन्होंने परंपरागत कोर्स किए हैं, जहां उनकी काबिलियत के अनुसार सीमित अवसर हैं। इसके अलावा छोटे शहरों के लिए युवाओं को स्किल इम्प्रूवमेंट वाले कोर्स करते भी कम ही देखा जाता है।

*ज्ञान का सही उपयोग-बड़े शहरों के युवाओं का रुझान पारंपरिक रोजगार के साथ-साथ करियर के दूसरे ऑप्शन जैसे फैशन, रिसर्च, हॉस्पिटेलिटी, एविएशन, फॉरेन ट्रेड वगैरह की तरफ भी होता है।

भाषा बनी समस्या-हिन्दी भाषी क्षेत्र के युवाओं को भाषा की समस्या की वजह से कई बार निराशा हाथ लगती है, बड़ी कंपनियों में अंग्रेजी में ही काम होता है, अभ्यास न होने की वजह से कस्बाई युवा मुश्किलों का सामना करते हैं। ऐसा नहीं है कि हिंदी मीडियम के छात्र किसी मामले में कम हैं लेकिन जब बात कम्यूनिकेशन और अंग्रेजी से संबंधित दूसरी योग्यताओं की आती है तो ये पिछड़ जाते हैं।

अंग्रेजी में सक्षम = इस सवाल पर एक्स्पर्ट कहते हैं कि कंपनियों को हिन्दी भाषा से कोई समस्या नहीं है लेकिन उम्मीदवार में सामान्य अंग्रेजी लिखने-बोलने में सक्षम होना ही चाहिए। एक्स्पर्ट इसका समाधान बताते हैं कि छोटे शहरों के वे छात्र जो एमबीए या इंजीनियरिंग की डिग्री ले चुके हैं उन्हें इंटरव्यू से पहले सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग लेनी चाहिए। पर्सनैलिटी डेवलपमेंट और पब्लिक स्पीकिंग जैसे कोर्स मददगार साबित हो सकते हैं।

क्या होता है कंपनियों के चयन का आधार?

इस सवाल का जवाब हमने विशेषज्ञों से जानने की कोशिश की। आखिर क्यों कंपनियां छोटे शहरों के युवाओं में अपेक्षाकृत कम रुचि दिखाती हैं?

कुशलता की तलाश = बड़ी कंपनियों का रुझान बड़े शहरों के युवाओं की तरफ देखा जाता है, इसके कई कारण हैं। पहला यह कि अधिकतर बड़ी और स्थापित कंपनियां बड़े शहरों को अपना कार्यस्थल बनाती हैं। ऐसे में स्वाभाविक तौर पर उसी शहर में पले-बढ़े युवाओं का चयन सहज समझा जाता है। ऐसे युवा इन कंपनियों में आसानी से घुलमिल जाते हैं, भाषा, व्यवहार, और कल्चर की समस्या नहीं होती। कंपनियां साधारण तौर पर बड़े शहरों के युवाओं की काबलियत केवल डिग्री से नहीं, बल्कि जॉब में फिट होने की क्षमता के मुताबिक देखती हैं।

सफलता की कहानी = इससे परे छोटे शहरों के युवाओं की सफलता की लंबी कहानी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। अगर गौर किया जाए तो नामचीन कंपनियों में काम करने वाला एक बड़ा हिस्सा छोटे शहरों के छात्रों का ही है। आईटी क्षेत्र के बड़े नाम जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, इंफोसिस और टेक महिंद्रा में छोटे शहरों के कर्मचारियों की संख्या बहुत ज्यादा है।

नौकरी मिलना होगी आसान क्योंकि..

जब हम जॉब की बात करते हैं तो कई ऑनलाइन वेबसाइट के नाम हमारी जुबां पर आ जाते हैं। लेकिन क्या आपने रोजगार केंद्रों का नाम सुना है। दरअसल जब इंटरनेट लोगों के बीच प्रचलित नहीं था तब सरकारी नौकरी पाने के लिए रोजगार केंद्रों में नाम दर्ज करवाना जरूरी समझा जाता था। लेकिन अब दुनिया कागजों से कम्प्यूटर में समा गई है। जिसकी वजह से रोजगार केंद्रों की प्रासंगिकता खत्म होती चली गई। लेकिन अब सरकार इन रोजगार केंद्रों को पुर्नजीवित करने के लिए तैयारी कर रही है। इसके लिए इन रोजगार केंद्रों को नैशनल पोर्टल के रूप में विकसित किया जाएगा। इस पोर्टल पर देशभर में नौकरी की जानकारी के साथ-साथ, इंटर्नशिप और कौशल निर्माण के कोर्सों की जानकारी मुहैया कराई जाएगी। श्रम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले नैशनल करियर सर्विस पोर्टल के रोजगार केंद्रों में नई जान फूंकी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जुलाई को इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस इस पोर्टल का उद्घाटन करेंगे। । भारत में इस समय 982 रोजगार केंद्र हैं। पहले चरण में सरकार इनमें से 100 को आधुनिक बनाएगी।

बैंकों में आने वाली हैं 80 हजार नौकरियां

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में दो साल में करीब 80,000 अधिकारी और कर्मचारी रिटायर हो जाएंगे। इन बैंकों में इस दौरान बड़ी संख्या में रिक्तियां होंगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इन बैंकों में 39,756 अधिकारी कर्मचारी चालू वित्त वर्ष में रिटायर हो रहे हैं। इनमें 19,065 अधिकारी और 14,669 लिपिक श्रेणी के कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा 6,022 उप कर्मी भी इस साल रिटायर हो जाएंगे। अगले वित्त वर्ष में भी 39,000 कर्मचारी रिटायर हो जाएंगे। उनमें 18,506 अधिकारी और 14,458 लिपिक संवर्ग के होंगे। देश में एसबीआई, आईडीबीआई बैंक और भारतीय महिला बैंक सहित कुल 22 सरकारी बैंक हैं। एसबीआई के पांच सहायक बैंक हैं। चूंकि मध्यम वर्ग के कर्मचारियों के स्तर पर बड़ी संख्या में पद रिक्त हो रहे हैं, ऐसे में वित्त मंत्रालय मध्यम स्तर पर नियुक्ति के लिए कुछ लचीलापन प्रदान करने की सोच रहा है। फिलहाल ये बैंक अनुबंध के आधार पर नियुक्ति कर सकते हैं। पिछले हफ्ते वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि बैंक कैंपस नियुक्ति करना चाहते हैं, लेकिन इसमें कुछ कानूनी अड़चनें हैं। उन्होंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का इस बारे में एक आदेश है जिससे सरकारी बैंकों को इन नियुक्तियों के लिए खुली लचीलापन देने में मुश्किल है।

क्यों है बेरोज़गार ग्रेजुएट्स की फौज?

देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ ही रोज़गार के अवसर भी तेज़ी से बढ़े हैं। लेकिन विश्वविद्यालय जो ग्रेजुएट्स तैयार कर रहे हैं वो इंडस्ट्री की ज़रूरतों के अनुरूप नहीं हैं। हिन्दीभाषी राज्यों से हर साल लाखों ग्रेजुएट्स निकल रहे हैं, लेकिन इनमें से कुछ हज़ार ही टेक्निकल ग्रेजुएट्स होते हैं। एनसीईआरटी के वैज्ञानिक अवनीश पांडेय कहते हैं कि कंपनियों को स्किल्ड वर्कफोर्स चाहिए, जो अभी विश्वविद्यालय नहीं दे रहे। भारत की 400 कंपनियों पर किए गए एक रिक्रूटमेंट सर्वे का हवाला देते हुए पांडेय कहते हैं कि 97 फीसदी कंपनियां मानती हैं कि अर्थव्यवस्था बढ़ने के साथ रोज़गार के अवसरों में भी इज़ाफ़ा हुआ है, मगर उस अनुपात में अच्छे प्रोफेशनल्स नहीं मिल पा रहे हैं।

PRACHI MATHS & SCIENCE TUTORIALS
(Exclusive Tutorial for CBSE / ICSE) (VII-VIII- IX-X)
MATHS BY PRACHI HUNDAL MADAM
(Teaching Exp. 24 Years)
SCIENCE BY SENIOR FACULTIES
(Seperate Batch for CBSE & ICSE) USP ARE
★ For Personal attention
Small Batch Size (15 to 20 Students)
★ Homely Atmosphere
Excellent Previous Result
REGISTRATION OPEN
FOR 2016 SESSION Register today
& April early bird discount
Cont.- Mob.-9406542737, 9424312779
9B, SAKET NAGAR NEAR SPS. BEHIND BSNL OFFICE

आवश्यकता है

राष्ट्रीय स्तर की कम्पनी को अपने चौकलेट उत्पादों की मध्यप्रदेश में सेल्स नेटवर्क के विस्तार हेतु अनुभवी प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

योग्यता 4 - 5 वर्ष का FMCG सेल्स का अनुभव अनिवार्य
उग्र 30 - 35 वर्ष
वेतन योग्यता अनुसार

Intrested Candidates can mail Resumes on
Email : bhopal2@yahoo.com

चर्बी कम करने के लिए अपनाएं ये उपाय

आज के समय में ज्यादातर लोगों को बढ़े हुए पेट की शिकायत है. अनावश्यक चर्बी जब हमारी कमर के चारों ओर जम जाती है तो बेली फैट की स्थिति हो जाती है. इस अनावश्यक फैट के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो जाती हैं.

इस अनावश्यक फैट के कारण कई बार मधुमेह और दिल का दौरा पड़ने की आशंका भी बढ़ जाती है. कई अध्ययनों में ये बात कही गई है कि बेली फैट कम करना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है. खानापान में थोड़ा परिवर्तन और संयम बरतकर अगर आप चाहें तो बहुत आसानी से बेली फैट कम कर सकते हैं.

अगर आप वाकई वजन कम करना चाहते हैं तो सबसे पहले पिज्जा, केक और दूसरे फास्ट फूड से तौबा कर लीजिए. इन चीजों को छोड़ने के साथ ही अपनी डाइट में हरी चीजों को शामिल भी कीजिए. बेली फैट कम करने के लिए आप अपनी आदतों में ये उपाय भी शामिल कर सकते हैं– 1. अगर आप वाकई बेली फैट कम करना चाहते हैं तो सबसे पहले सॉफ्ट ड्रिंक और सोडा ड्रिंक पीना छोड़ दें. हाल में हुई एक रिसर्च के मुताबिक, प्रतिदिन एक गिलास सॉफ्ट ड्रिंक पीना आपकी कमर का साइज बढ़ा सकता है.

2. कुछ लोगों को हर समय कुछ न कुछ खाने की आदत होती है. हमारे खानपान के भी कई नियम–कानून होते हैं. ऐसे में जरूरी है कि हम उसी समय खाएं, जब हमें वाकई भूख महसूस हो. खानपान के नियमों को पालन करने से भी हम अपने बेली फैट को नियंत्रित कर सकते हैं.

3. शायद आपको यकीन नहीं हो लेकिन नियमित रूप से अखरोट खाने से वजन कम करने में मदद मिलती है. हर रोज अखरोट खाने से शरीर का अतिरिक्त फैट धीरे–धीरे कम होने लगता है. यह वजन करने का सबसे आसान तरीका है.

4. हरी बीन्स खाना भी वजन कम करने के लिए बहुत फायदेमंद है. इसमें सॉल्यूबल फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं जिससे बेली फैट कम करने में मदद मिलती है.

5. कॉफी के स्थान पर ग्रीन टी पीने की आदत भी आपको बेली फैट कम करने में मदद करेगी. इसके अलावा ग्रीन टी पीना स्वास्थ्य के लिहाज से कॉफी और चाय से बेहतर विकल्प है.

6. खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए तो हम काली मिर्च का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इसका इस्तेमाल बेली फैट कम करने भी किया जा सकता है.

गर्दन के पिछले हिस्से में होने वाले दर्द से राहत दिलाएंगे ये उपाय

आए दिन हम किसी न किसी प्रकार के दर्द से जूझते रहते हैं लेकिन गर्दन का दर्द एक ऐसा दर्द है जिससे ज्यादातर लोग परेशान हैं. खासतौर पर ऐसे लोग जिनका काम घंटों कुर्सी पर बैठने का है. हालांकि ये कोई गंभीर समस्या नहीं है लेकिन अगर इसे नजरअंदाज कर दिया गया तो भविष्य में ये गंभीर समस्या का रूप भी ले सकती है. गर्दन में अकड़ और दर्द के कारण – कई बार हमारी दिनचर्या भी गर्दन में दर्द का कारण बन जाती है. कोई पुरानी चोट भी इसकी वजह हो सकती है. इसके अलावा गलत तरीके से उठना–बैठना, लेटना या फिर बहुत मोटी तकिए का इस्तेमाल करना इस दर्द और अकड़ का कारण हो सकता है।

लड़की के लिए खास होता है शादी के बाद का वह समय

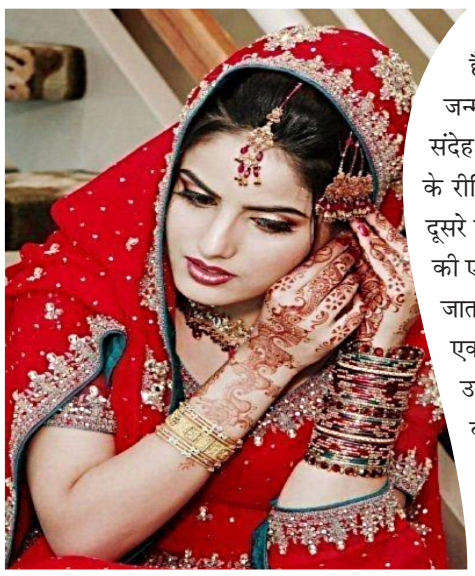

भारत में शादियां किसी त्योहार से कम नहीं होती हैं. शादी को लेकर लड़की के मन में जहां नई उमंगें जन्म ले रही होती हैं वहीं उसके मन में कई तरह के संदेह भी उमड़ते–घुमड़ते रहते हैं. लड़की को कई तरह के रीति–रिवाज निभाने होते हैं. सात फेरों के बाद वह दूसरे के घर चली जाती है और यहीं से उसकी जिन्दगी की एक नई शुरुआत भी हो जाती है. हमारे देश में कहा जाता है कि जोड़ियां ऊपर से बनकर आती हैं. लेकिन एक नए घर में लड़की के लिए सब कुछ नया होता है. उसे बहुत सी चीजों को नए सिरे से संजोना होता है. बहुत सी चीजें ऐसी भी होती हैं जो उसके साथ पहली बार होती हैं. ये वो बातें हैं जिनसे ज्यादातर महिलाओं को गुजरना पड़ा है. ऐसे में अगर बहुत जल्दी आपकी शादी होने वाली है तो हो सकता है कि आपको भी इन बातों से दो–चार होना पड़ा.

1. जगने का समय – भले ही आप अपने घर में देर से सोकर उठती हों लेकिन इस नए घर में लोग आपसे जल्दी उठने की उम्मीद करते हैं. ज्यादातर लड़कियों के लिए सुबह जल्दी उठना एक बहुत बड़ी समस्या होती है. हालांकि सुबह जल्दी उठना आपको थोड़ा मुश्किल लग सकता है लेकिन समय पर उठकर तैयार होने से बाकी चीजों को निपटाने के लिए आपके पास पर्याप्त वक्त रहेगा. **2. क्या पहनें क्या नहीं** – ये एक ऐसी समस्या है जिससे हर लड़की जीवनभर जूझती है और अब तो शादी के बाद का पहला दिन है. शादी के अगले दिन क्या पहनना चाहिए और क्या नहीं, ये तय कर पाना हर लड़की के लिए बहुत मुश्किल होता है. बेहतर होगा कि आप शादी से पहले ही उन कपड़ों को तैयार कर लें जिनको आपको अगले दिन पहनना है. **3. पहला खाना** – आपको पहले दिन खाना बनाना होता है. इस बात की चिंता अक्सर लड़कियों को परेशान करती है. उन्हें लगता है कि अगर खाना बुरा बन गया तो लोग उसके बारे में क्या सोंचेंगे. पर ऐसा नहीं है. जो काम करें आत्मविश्वास के साथ करें. सब कुछ अच्छा ही होगा. **4. सास–ससुर का प्यार** – हर लड़की के लिए यह एक बहुत बड़ा डर होता है कि उसके सास–ससुर उसे पसंद करेंगे या नहीं. पर यह घबराने की बात नहीं है. आपको सिर्फ सहज रहने की जरूरत है, बाकी चीजें खुद–ब–खुद हो जाएंगी.

दिमागी तंदुरुस्ती के लिए आज ही से शुरु कीजिए ये आहार

हमारा शरीर सही से काम करे इसके लिए जरूरी है कि हमारी डाइट अच्छी हो. पर हमारे दिमाग का क्या? हमारा दिमाग हमारे पूरे शरीर को संचालित करने का काम करता है और यह सही से काम करता रहे, इसके लिए जरूरी है कि हमारी डाइट में कुछ तत्व ऐसे भी हों जो दिमाग की सेहत को भी बेहतर रखें. अगर आप नियमित रूप से इन चीजों का सेवन करते हैं तो इससे शारीरिक तंदुरुस्ती को मिलेगी ही साथ दिमागी सेहत भी दुरुस्त रहेगी.

1. सेब – सेब में फ्लेवेनॉयड्स पाया जाता है. क्यूरसेटिन एक अच्छे एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है. यह दिमाग को कई तरह की बीमारियों से सुरक्षित रखने में मददगार होता है. इसके अलावा सेब में पाए जाने वाले अन्य तत्व तंत्रिका कोशिकाओं को भी सुरक्षित रखने में सहायक होते हैं.

2. हल्दी – हल्दी में क्यूरक्यूमिन नाम का तत्व पाया जाता है. यह एक नेचुरल एंटी–ऑक्सीडेंट है. साथ ही इसमें एंटी–इंफ्लेमेट्री गुण भी पाया जाता है. दिमागी चोटों को जल्दी ठीक करने के लिए हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है.

3. सालमन – सालमन जैसी मछलियों में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है. यह दिमाग को सक्रिय और सेहतमंद बनाए रखता है. ओमेगा 3 के सेवन से डिमेंशिया और अल्जाइमर होने का खतरा भी कम हो जाता है.

4. ग्रीन टी – ग्रीन टी में भरपूर मात्रा में एंटी–ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं. ये डिमेंशिया के खतरे को कम करने में भी मददगार होता है. ग्रीन टी याददाश्त बढ़ाने में भी कारगर है.

5. टमाटर – टमाटर में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जिससे याददाश्त बढ़ती है. इसमें मौजूद एंटी––ऑक्सीडेंट फ्री–रेडिकल्स से दिमाग को सुरक्षित रखते हैं. साथ ही ये अल्जाइमर से सुरक्षित रखने में भी मददगार होता है.

शुक्र का राशि परिवर्तन, पढ़ें 12 राशियों पर असर

शुक्र ग्रह के राशि परिवर्तन के चलते लगभग सभी राशियों पर कुछ न कुछ प्रभाव पड़ना निश्चित है। वर्तमान में शुक्र के हस्त नक्षत्र में आने से कुछ राशियों पर आर्थिक भार प? सकता है। इसके लिए जातकों को चाहिए कि कष्ट से मुक्ति के लिए महालक्ष्मी को गोमतीचक्र चढ़ाएं।

मेष राशि के जातकों को कोई भी महत्वपूर्ण काम को अगले दो दिनों तक टालना चाहिए। अच्छी आर्थिक स्थिति बनी रहेगी। कार्य में नई योजनाओं का शुभारंभ होगा।

आपके लिए शुभ अंक 1, शुभ रंग मेहरून, शुभ दिशा पूर्व, शुभ समय दोपहर 01:30 से शाम 03:00 तक।

वृष राशि के जातकों की आर्थिक स्थति जस की तस रहेगी परंतु भविष्य के लिए धन निवेश लाभकारी है। अपने क्रोध पर काबू रखें अन्यथा नुकसान होगा।

आपके लिए शुभ अंक 7, शुभ रंग ग्रे, शुभ दिशा उत्तर-पूर्व, शुभ समय शाम 04:30 से सायं 06:00 तक।

मिथुन राशि के जातकों को अधिकारी सहयोग करेंगे। दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। नया कार्य प्रारंभ करेंगे। उत्साह बना रहेगा। वाणी पर काबू रखें अन्यथा जीवनसाथी से मतभेद हो सकता है।

आपके लिए शुभ अंक 6, शुभ रंग गुलाबी, शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व, शुभ समय प्रात: 07:30 से प्रात: 09:00 तक।

कर्क राशि के जातकों को लाभदायी परिणाम मिलेंगे। कोई विशेष काम बनेगा। व्यवसाय में नए प्रस्ताव मिलेंगे। प्रेम प्रसंगों में निश्चित सफलता मिलेगी।

आपके लिए शुभ अंक 3, शुभ रंग पीला, शुभ दिशा उत्तर-पूर्व, शुभ समय प्रात: 09:00 से प्रात: 10:30 तक।

सिंह राशि के जातकों को आर्थिक सफलता मिलेगी। यात्राएं लाभकारी रहेगी। मित्रो से लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। संपत्ति के मामले पक्ष में होंगे।

आपके लिए शुभ अंक 2, शुभ रंग सफेद, शुभ दिशा उत्तर-पश्चिम, शुभ समय शाम 03:00 से शाम 04:30 तक।

कैसे होते हैं कुंडली में दुर्घटना योग...

हले अंक में हमने जानें अपना भविष्य पर चर्चा की थी। दूसरे अंक में हमने जाना कि ज्योतिष के आधार पर जातक के साथ होने वाली दुर्घटना का पूर्व समय का पता कैसे लगाया जा सकता है?

दुर्घटना योग जानिए

* 6ठा और 8वां भाव। षष्ठ भाव व अष्टमेश का स्वामी भी अशुभ ग्रहों के साथ।
* वाहन से दुर्घटना = शुक्र को देखना होगा।
* लोहा या मशीनरी से दुर्घटना = शनि को देखना होगा।
* आग या विस्फोटक से दुर्घटना = मंगल-शनि को देखना होगा।
* चौपायों से दुर्घटना = शनि।
* अकस्मात दुर्घटना के लिए = राहु।
* शनि-मंगल-केतु अष्टम भाव = वाहनादि से दुर्घटना के कारण चोट लगती है।

इस प्रकार कुंडली देखकर दुर्घटना के योग को जान सकते हैं और समय रहते यदि उचित कदम उठाएं तो कई बार अनहोनी से बचा भी जा सकता है।

कन्या राशि के जातकों को चाहिए कि वे ध्यान से रखें। परिजनों से विवाद हो सकता है। व्यापार में व्यावहारिक निर्णय लें। विद्धार्थियो के लिए सफलता व दापत्य जीवन में सुख मिलेगा।

आपके लिए शुभ अंक 6, शुभ रंग गुलाबी, शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व, शुभ समय प्रात: 07:30 से प्रात: 09:00 तक।

तुला राशि के जातकों के आपसी रिश्तों में सुधार होगा। मित्र व निकट संबंधियों से मुलाकात होगी। मिलेंगे। धनलाभ के नए मार्ग खुलेंगे। कानूनी मामलों में सतर्क रहें।

आपके लिए शुभ अंक 7, शुभ रंग ग्रे, शुभ दिशा उत्तर-पूर्व, शुभ समय शाम 04:30 से सायं 06:00 तक।

वृश्चिक राशि के जातकों को सरकारी कामों में सफलता मिलेगी। नए काम की योजना बनेगी। धन वसूली होगी। पारिवारिक आयोजनों में व्यस्त रहेंगे।

आपके लिए शुभ अंक 1, शुभ रंग मेहरून, शुभ दिशा पूर्व, शुभ समय दिन में 01:30 से शाम 03:00 तक।

धनु राशि के जातकों को सावधानी से रहना होगा। लेनदेन का मामले उलझेंगे। मानहानि के योग हैं। पारिवारिक तनाव रहेगा। मानसिक निराशा रहेगी। गृह क्लेश का वातावरण रहेगा।

आपके लिए शुभ अंक 4, शुभ रंग नीला, शुभ दिशा दक्षिण-पश्चिम, शुभ समय दोपहर 12:00 से दिन में 01:30 तक।

मकर राशि के जातक मांगलिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आर्थिक स्थति में सुधार होगा। रुके कार्य बनेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

आपके लिए शुभ अंक 9, शुभ रंग नारंगी, शुभ दिशा दक्षिण, शुभ समय प्रात: 10:30 से दोपहर 12:00 तक।

कुंभ राशि के जातकों को चाहिए कि कार्य में ध्यान रखें अन्यथा नुकसान होना तय है। आर्थिक लेनदेन में सावधानी बरतें। जोखिमपूर्ण सौदे नुकसान देंगे।

आपके लिए शुभ अंक 9, शुभ रंग नारंगी, शुभ दिशा दक्षिण, शुभ समय सुबह 10:30 से दोपहर 12:00 तक।

मीन राशि के जातकों को लाभ होगा। परंतु जोखिमपूर्ण कार्यों से बचना होगा। नए अवसर और लोगों से मुलाकात होगी।

आपके लिए शुभ अंक 4, शुभ रंग नीला, शुभ दिशा दक्षिण-पश्चिम, शुभ समय दोपहर 12:00 से दिन में 01:30 तक।

जानिए महान विदुषी सखी खना के बारे में

गणित में लीलावती का जिस सम्मान के साथ नाम लिया जाता है उसी तरह ज्योतिष में सखी खना का नाम बहुत प्रसिद्ध है। खना लंका द्वीप के एक ज्योतिषी की कन्या थीं। यह 7वीं-8वीं सदी की बात है। उज्जयिनी में महाराज विक्रमादित्य का राज्य था।

उनके दरबार में बड़े-बड़े कलाकार, कवि, पंडित, ज्योतिषी आदि विद्यमान थे। वराह ज्योतिषियों के अगुआ थे। उनकी गणना नवरत्नों में होती थी। इतिहासज्ञ वराहमिहिर के नाम से परिचित हैं। मिहिर वराह का लड़का था। मिहिर का जन्म होने पर वराह ने गणना कर देखा कि मिहिर की आयु केवल 10 साल की थी, परंतु यह उसकी भूल थी।

उसने गणना करते समय एक शून्य छोड़ दिया था, उसकी आयु 100 साल की थी। वराह ने उसे एक हांडी में बंद कर शिप्रा नदी में फेंक दिया। हांडी व्यापारियों ने हाथ लगी; उन्होंने उसे पाल-पोसकर बड़ा किया और काम में लगा दिया। मिहिर होनहार तो था ही, ज्योतिष विद्या उसकी पैतृक संपत्ति थी; वह घूमता-फिरता लंका में एक ज्योतिषी के घर पहुंचा। उसने ज्योतिष का अध्ययन किया। ज्योतिषी की कन्या से उसका विवाह हो गया, जो ज्योतिष में पारंगता थी।

कालांतर में उसने भारत यात्रा की। उज्जयिनी में भी आकर उसने वराह तक को परास्त किया। किसी तरह वराह को पता चल गया कि यह उसका ही पुत्र है।

अब ज्योतिष के कड़े से कड़े से कड़े प्रश्न हल हो जाया करते थे। कभी-कभी घर के भीतर बैठी खना ससुर को बड़ी से बड़ी भूल का ज्ञान करा देती थी। नगर वाले नहीं जानते थे कि मिहिर की पत्नी इतनी विदुषी है। वराह उनकी विद्वता पर मन ही मन कुढ़ता था। उसे यह बात कभी नहीं अच्छी लगती थी कि समय-समय पर मेरी गणना में भूल निकाला करे। खना को ऐसी-ऐसी गणनाएं आती थीं जिनका वराह या मिहिर को थोड़ी मात्रा में भी ज्ञान नहीं था। एक दिन राजा ने तारागणों के संबंध में वराह से कठिन प्रश्न किया। उसने मौका मांगा। संध्या समय घर लौटकर वह प्रश्न हल करने लगा, परंतु किसी प्रकार से मीमांसा न हुई। रात में भोजन करते समय बात की बात में खना ने उसे समझा दिया। वराह यह सोचकर प्रसन्न हुआ कि पुत्रवधू की विद्या से राजसभा में मेरा मान बना रहेगा। दूसरे दिन राजा ने हल की विधि पूछी। वराह को कहना ही पड़ा कि प्रश्न का हल खना ने किया है। राजा तथा सभा-सदस्य चकित हो उठे। राजा ने कहा- उसे आदर के साथ सभा में लाइए, हम और प्रश्न करेंगे। वराह को यह बात अच्छी न लगी।

भारतीय हाकी टीम ने तीसरा टेस्ट जीता, पर श्रृंखला आस्ट्रेलिया को गंवाई

फारवर्ड आकाशदीप सिंह के अंतिम लम्हों में दागे गोल की बदौलत भारत ने तीसरे और अंतिम हाकी टेस्ट में सोमवार को आस्ट्रेलिया को 3-2 से हरा दिया.

भारत ने हालांकि बाद में अंतिम पेनल्टी शूट आउट में चूकने के साथ श्रृंखला गंवा दी.

विश्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा मैच 3-2 से जीतने के साथ भारत ने श्रृंखला 1-1 से बराबर की. दोनों टीमों ने श्रृंखला में बराबर गोल दागे जिससे विजेता टीम का फैसला करने के लिए पेनल्टी शूट आउट का सहारा लिया गया जिसमें आस्ट्रेलिया ने 3-2 से जीत दर्ज की.

मैच की शुरूआत धीमी रही और दोनों ही टीमें पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं कर पाई. दूसरे क्वार्टर में वीआर रघुनाथ ने 17वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई.

रघुनाथ ने श्रृंखला में भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागे. इस अनुभवी ड्रैग फ्लिकर ने इस साल 31 मैच में पेनल्टी कार्नर से 12 गोल दागे हैं.

आस्ट्रेलिया ने हालांकि मध्यांतर के बाद वापसी की जब ट्रेंट मिटन ने तीसरे क्वार्टर में 36वें मिनट में मैदानी गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया. यह उनका श्रृंखला का पहला गोल रहा. इस गोल में डिफेंडर रूपिंदर पाल सिंह की चूक की भी अहम भूमिका रही जिन्होंने गेंद मिटन को गंवा दी और उन्होंने आसानी से भारतीय गोलकीपर हरजोत सिंह को पछाड़कर गोल दाग दिया. रूपिंदर ने हालांकि अपनी गलती की भरपाई करते हुए 41वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को एक बार फिर 2-1 से आगे कर दिया. यह रूपिंदर के करियर का 50वां गोल था. लेकिन जब ऐसा लग रहा था कि भारत अपनी बढ़त को बरकरार रखने में सफल रहेगा तब 54वें मिनट में मिटन ने एक और गोल दागकर आस्ट्रेलिया को 2-2 से बराबरी दिला दी. आकाशदीप ने इसके बाद अंतिम मिनट में गोल दागकर भारत की 3-2 से जीत सुनिश्चित की।

और श्रृंखला को शूट आउट में जीतने का मौका बनाया. शूट आउट में हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने काफी गलतियां की और आस्ट्रेलिया ने श्रृंखला जीत ली. भारत की ओर से पेनल्टी शूट आउट में बीरेंद्र लाकड़ा और रूपिंदर ने गोल दागे जबकि सरदार सिंह, आकाशदीप और रघुनाथ गोल करने से चूक गए. आस्ट्रेलिया की ओर से डेनियल बील, मैट गोडेस और क्रि स सिरिएलो ने गोल किए. भारत ने भले ही श्रृंखला गंवा दी हो लेकिन इस हफ्ते से शुरू हो रहे एफआईएच वि लीग फाइनल से पूर्व उसे मैच अभ्यास का अच्छा मौका मिला।

विराट-अश्विन सहित नागपुर पहुंची टीम इंडिया

नागपुर। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार से यहां शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में एक बार फिर स्पिनरों का डंका बजने की उम्मीद है और सीरीज कब्जाने से एक कदम दूर खड़ी मेजबान टीम का लक्ष्य भी अपने गेंदबाजों के इसी कातिलाना प्रदर्शन को दोहराकर जीत दर्ज करना है और टीम इंडिया भी नागपुर पहुंच चुकी है। भारत मोहाली टेस्ट जीतकर पहले ही सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुका है जबकि दूसरा बेंगलुरू टेस्ट ड्रा रहा था। नागपुर के जमाथा स्टेडियम में भी एक बार फिर स्पिनरों के लिये पिच मददगार साबित होने का अनुमान है और यदि ऐसा होता है तो भारतीय स्पिनर एक बार फिर विश्व की नंबर एक टेस्ट टीम पर जीत दिलाने में अहम साबित होंगे।

Ayush Samadhaan
Simpler way to reach your doctor
FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE
WWW.AYUSHSAMADHAAN.COM

RAJPAL'S
GREENWOODS

MARRIAGE GARDEN
AVAILABLE FOR ALL TYPES OF PARTY
FOR BOOKINGS CONTACT:
9826051505

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, E-mail: parag073@gmail.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)

त्रिकाल दृष्टि

त्रिकाल दृष्टि

त्रिकाल दृष्टि